Revenue and Expenditure of two Rajdhani Express Trains

1572. SHRI R. K. MHALGI: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) what is the total amount of revenue and expenditure for the years 1976-76, 1976-77 and 1977-78 of the two Rajdhani Express Trains Bombay to New Delhi and Calcutta to New Delhi; and

(b) whether there is any proposal under consideration of Government to make the said trains more profitable and also proposal for providing more amenities in the said trains?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN): (a) and (b) The information is being collected and will be laid on the table of the House.

गुजरात में नसबन्दी

1573. श्री छीतू भाई गामित : क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मार्च, 1977 से दिसम्बर, 1978 के दौरान गुजरात में प्रत्येक जिले में कितने व्यक्तियों की नसबंदी की गयी है और इस कार्य पर कितनी राशि खर्च हुई;

(ख) केन्द्रीय सरकार ने इसमें से कितनी धनराशि दी;

(ग) क्या यह सच है कि प्रेरणा के लिये राशि बढ़ाने की व्यवस्था किये जाने से अधिक लोग नसबंदी के प्रति आकर्षित होंगे; और

(घ) यदि हां, तो क्या प्रेरणा राशि को बढ़ाया जायेगा और यदि हां, तो कितना और इस प्रयोजन के लिये दी जाने वाली अन्य सुविधाओं का ब्यौरा क्या है ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (श्री राज राज): (क) मार्च, 1977 से दिसम्बर, 1978 तक गुजरात राज्य में जिन व्यक्तियों की नसबंदी आपरेशन किये गये, उनकी जिलावार संख्या का एक विवरण संलग्न है :—

इस पर जिलेवार कितना व्यय हुआ, इस की सूचना उपलब्ध नहीं है। वैसे, 1-3-77 से 30-6-77 के दौरान स्वैच्छा से नसबन्दी आपरेशन करवाने पर सेवा सुविधाओं की दरें अनुबन्ध 2 में दी गई हैं तथा जो दरें पहली जुलाई, 77 से दिसम्बर, 78 की अवधि के बीच देय थीं, वे नीचे दी गई हैं :—

पुरुष नसबंदी	100.00 रुपये
महिला नसबंदी	120.00 रुपये

(ख) गुजरात सरकार को मुआवजे की राशि तथा परिवार कल्याण कार्यक्रम को लागू करने के लिये कुल कितनी केन्द्रीय सहायता दी गई, वह इस प्रकार है :—

रुपये लाखों में

अवधि	दी गई कुल सहायता	मुआवजे की राशि
	रुपये	रुपये
1977-78	505.92	120.00
1978-79 (दिसम्बर 78 तक)	420.40	106.00

(ग) और (घ) इस सम्बन्ध में नीति यह है कि सरकार को प्रत्येक नसबंदी आपरेशन करवाने वाले स्वीकारकर्ता को उस की मजदूरी के नुकसान तथा अन्य प्रासंगिक खर्च की पूर्ति करनी चाहिए। नसबन्दी आपरेशन करवाने में, क्लीनिक तक आने जाने का खर्च, अस्पताल में कुछ समय रुकने के परिणामस्वरूप उसे होने वाला मजदूरी का नुकसान भी शामिल है, जिसे अधिकांश लोग आसानी से सहन नहीं कर सकते हैं। नसबन्दी आपरेशन करवाने वाले व्यक्ति को मुआवजे के रूप में 70.00 रुपये (सत्तर रुपये) की राशि दी जाती है। इस के अतिरिक्त आपरेशन मुफ्त किया जाता है तथा इस आपरेशन के कारण यदि कोई जटिलता हो जाए तो उस का इलाज भी मुफ्त किया जाता है। स्वीकारकर्ता को आहार तथा परिवहन की सुविधायें भी मुफ्त जुटाई जाती हैं। चूंकि मुआवजे की ये दरें केवल पहली जुलाई, 77 से ही लागू की गई थीं, इसलिये इस समय इन में संशोधन करने का कोई विचार नहीं है क्योंकि इन्हें पर्याप्त समझा जाता है।

उपर्युक्त मुआवजे के अलावा, कुछेक राज्य सरकारों/संघ शासित क्षेत्रों ने स्वीकारकर्ताओं, नेताओं, डाक्टरों तथा क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं, आदि को अपने संसाधनों से विशेष प्रोत्साहन देने भी आरम्भ किये हैं।